चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.......अमर उजाला.......

दिनांक ...3.12.2020...पृष्ठ संख्या....2.......कॉलम.....3-8.......

भौगोलिक स्थिति व अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखकर करें रिसर्च : प्रो. समर

अमर उजाला ब्यूरो

क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र के भ्रमण के दौरान जानकारी लेते कुलपति प्रोफेसर समर सिंह।

एचएयू के बावल स्थित क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि महाविद्यालय का किया दौरा

कहा- समन्वित खेती को बढ़ावा दें किसान, आर्थिक स्थिति होगी मजबूत

हिसार। वैज्ञानिक मौजूदा समय में बदलते जलवायु परिवेश, भौगोलिक परिस्थितियों व अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखते हुए अपने अनुसंधान कार्य को आगे बढ़ाएं। इससे एक ओर जहां फसलों की गुणवत्ता कायम रहेगी, वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी उनकी डिमांड बढ़ेगी। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कही। वे बुधवार को विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि महाविद्यालय बावल में चल रहे अनुसंधान, शिक्षण, विस्तार व अन्य कार्यों का जायजा लेने के बाद वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे।

इस दौरान उन्होंने जल संरक्षण के लिए केंद्र में चल रहे टपका सिंचाई व अन्य तकनीकों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को अपना काम पूरी निष्ठा व कर्तव्य से करना चाहिए और उनका मुख्य लक्ष्य विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नई-नई तकनीकों व विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों की जानकारी किसानों तक पहुंचाना होना चाहिए। उन्होंने किसानों से समन्वित खेती को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जिन क्षेत्रों में भूमि कम उपजाऊ है, वहां किसान समन्वित कृषि प्रणाली अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति ने वैज्ञानिकों से बागवानी, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन व जैविक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

गुणवत्ता पर हो अधिक जोर : कुलपति के साथ बावल के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र में अपने भ्रमण के दौरान सहकारिता एवं पिछड़ा वर्ग के राज्य मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से कहा कि वे फसल उत्पादों की गुणवत्ता पर अधिक जोर दें। इससे इनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग बढ़ेगी और किसान भी आर्थिक रूप से समृद्ध हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि वे दक्षिण पश्चिमी हरियाणा में स्थित विश्वविद्यालय के बावल अनुसंधान केंद्र के लिए सरकार से अतिरिक्त बजट की मांग करेंगे ताकि यहां ओर अधिक सुविधाएं मुहैया करवाई जा सकें।

ये रहे मौजूद : क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र में विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश खोखर, बावल के क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ. विक्रम सिंह, कृषि महाविद्यालय के प्रिंसिपल डॉ. नरेश कौशिक, वरिष्ठ संयोजक डॉ. जोगेंद्र सिंह सहित क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, कृषि महाविद्यालय, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक व अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ......पाँच बजे......

दिनांक 2.12.2020 पृष्ठ संख्या ...—... कॉलम ...—...

एचएयू के बावल स्थित क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि महाविद्यालय का किया दौरा

समन्वित खेती को बढ़ावा दें किसान, आर्थिक स्थिति होगी मजबूत : प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

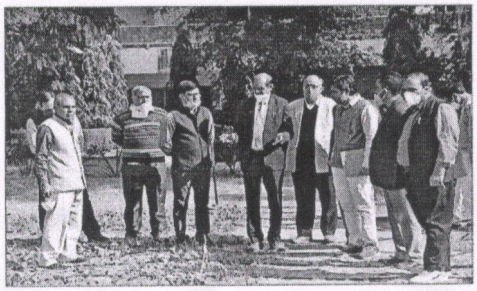

हिसार। वैज्ञानिक मौजूदा समय में बदलते जलवायु परिवेश, भौगोलिक परिस्थितियों व अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखते हुए अपने अनुसंधान कार्य को आगे बढ़ाएं। इससे एक ओर जहां फसलों की गुणवत्ता कायम रहेगी वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी उनकी डिमांड बढ़ेगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि महाविद्यालय बावल में चल रहे अनुसंधान, शिक्षण, विस्तार व अन्य कार्यों का जायजा लेने के उपरांत वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे। इस दौरान उन्होंने जल संरक्षण के लिए केंद्र में चल रहे टपका सिंचाई व अन्य तकनीकों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को अपना काम पूरी निष्ठा व कर्तव्य से करना चाहिए और उनका मुख्य लक्ष्य विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नई-नई तकनीकों व विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों की जानकारी किसानों तक पहुंचाना होना चाहिए। उन्होंने किसानों से समन्वित खेती को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जिन क्षेत्रों में भूमि कम ऊपजाऊ है, वहां किसान समन्वित कृषि प्रणाली अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति ने वैज्ञानिकों से बागवानी, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन व जैविक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मशरूम व मधुमक्खी का व्यवसाय किसान कम लागत से शुरू कर सकता है और अधिक मुनाफा कमा सकता है। इसी प्रकार कम सिंचित क्षेत्र में टपका सिंचाई कारगर साबित हो सकती है और वहां किसान मधुमक्खी पालन भी आसानी से कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक फसलों, फलों व सब्जियों की नई किस्मों व तकनीकों को विकसित करते समय इस बात का भी खास ध्यान रखें कि उसका लाभ हर छोटी से छोटी जोत वाले किसान तक पहुंचना चाहिए। इसके अलावा जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि गलत खानपान व अधिक रसायनों के प्रयोग से बढ़ रही बीमारियों पर अंकुश लगाया जा सके।

गुणवत्ता पर हो अधिक जोर : डॉ. बनवारी लाल

कुलपति के साथ बावल के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र में अपने भ्रमण के दौरान सहकारिता एवं पिछड़ा वर्ग के राज्य मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से कहा कि वे फसल उत्पादों की गुणवत्ता पर अधिक जोर दें ताकि इनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग बढ़े और किसान भी आर्थिक रूप से समृद्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि वे दक्षिण-पश्चिमी हरियाणा में स्थित विश्वविद्यालय के बावल अनुसंधान केंद्र के लिए सरकार से अतिरिक्त बजट की मांग करेंगे ताकि यहां ओर अधिक सुविधाएं मुहैया करवाई जा सकें और किसानों का भला हो सके।

ये रहे मौजूद

क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र में विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश खोखर, बावल के क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ. विक्रम सिंह, कृषि महाविद्यालय के प्रिंसिपल डॉ. नरेश कौशिक, वरिष्ठ संयोजक डॉ. जोगेंद्र सिंह सहित क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, कृषि महाविद्यालय, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक व अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम .... पंजाब केसरी ....

दिनांक 3.12.2020 पृष्ठ संख्या .... 3 .... कॉलम .... 4-7 ....

'समन्वित खेती को बढ़ावा दें किसान, आर्थिक स्थिति होगी मजबूत'

■ वैज्ञानिक भौगोलिक स्थिति व अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखकर करें रिसर्च : प्रो. समर सिंह

हिसार, 2 दिसम्बर (ब्यूरो): वैज्ञानिक मौजूदा समय में बदलते जलवायु परिवेश, भौगोलिक परिस्थितियों व अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखते हुए अपने अनुसंधान कार्य को आगे बढ़ाएं। इससे एक ओर जहां फसलों की गुणवत्ता कायम रहेगी, वहीं दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी उनकी डिमांड बढ़ेगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि महाविद्यालय बावल में चल रहे अनुसंधान, शिक्षण, विस्तार व अन्य कार्यों का जायजा लेने के उपरांत वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे। इस दौरान उन्होंने जल संरक्षण के लिए केंद्र में चल रहे टपका सिंचाई व अन्य तकनीकों का जायजा लिया।

उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को अपना काम पूरी निष्ठा से करना चाहिए और उनका मुख्य लक्ष्य विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नई-नई तकनीकों व विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों की जानकारी किसानों तक पहुंचाना होना चाहिए। उन्होंने किसानों से समन्वित खेती को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जिन क्षेत्रों में भूमि कम ऊपजाऊ है, वहां किसान समन्वित कृषि प्रणाली अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति ने वैज्ञानिकों से बागवानी, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन व जैविक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक फसलों, फलों व सब्जियों की नई किस्मों व तकनीकों को विकसित करते समय इस बात का भी खास ध्यान रखें कि उसका लाभ हर छोटी से छोटी जोत वाले किसान तक पहुंचना चाहिए। इसके अलावा जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि गलत खानपान व अधिक रसायनों के प्रयोग से बढ़ रही बीमारियों पर अंकुश लगाया जा सके।

गुणवत्ता पर हो अधिक जोर : डा. बनवारी लाल

कुलपति के साथ बावल के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र में अपने भ्रमण के दौरान सहकारिता एवं पिछड़ा वर्ग के राज्य मंत्री डा. बनवारी लाल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से कहा कि वे फसल उत्पादों की गुणवत्ता पर अधिक जोर दें, ताकि इनकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मांग बढ़े और किसान भी आर्थिक रूप से समृद्ध हो सके। उन्होंने कहा कि वे दक्षिण-पश्चिमी हरियाणा में स्थित विश्वविद्यालय के बावल अनुसंधान केंद्र के लिए सरकार से अतिरिक्त बजट की मांग करेंगे, ताकि यहां ओर अधिक सुविधाएं मुहैया करवाई जा सकें और किसानों का भला हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......दैनिक जागरण......

दिनांक ..3.12.2021..पृष्ठ संख्या......3......कॉलम.....2-5.....

सलाह | वीसी ने एचएयू के बावल स्थित क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि महाविद्यालय का किया दौरा

समन्वित खेती को बढ़ावा दें किसानः प्रो. समर

जागरण संवाददाता, हिसारः विज्ञानी मौजूदा समय में बदलते जलवायु परिवेश, भौगोलिक परिस्थितियों व अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखते हुए अपने अनुसंधान कार्य को आगे बढ़ाएं। इससे एक ओर जहां फसलों की गुणवत्ता कायम रहेगी, वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में उनकी डिमांड बढ़ेगी। यह बातें हरियाणा कृषि विवि के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि महाविद्यालय बावल में चल रहे अनुसंधान, शिक्षण, विस्तार व अन्य कार्यों का जायजा लेने के बाद विज्ञानियों से रूबरू हो रहे थे।

हिसार : क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र के भ्रमण के दौरान कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य अधिकारी। • विज्ञप्ति।

गुणवत्ता पर हो अधिक जोर : डा. बनवारी लाल

कुलपति के साथ बावल के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र में अपने भ्रमण के दौरान सहकारिता एवं पिछड़ा वर्ग के राज्य मंत्री डा. बनवारी लाल ने विश्वविद्यालय के विज्ञानियों से कहा कि वे फसल उत्पादों की गुणवत्ता पर अधिक जोर दें ताकि इनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग बढ़े और किसान भी आर्थिक रूप से समृद्ध हो सके।

ये रहे मौजूद

क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र में विवि के कुलपति के साथ अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत, अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डा. नीरज कुमार, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डा. सतीश खोखर, बावल के क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डा. विक्रम सिंह, कृषि महाविद्यालय के प्रिंसिपल डा. नरेश कौशिक, वरिष्ठ संयोजक डा. जोगेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....समस्त हरियाणा....

दिनांक 2.12.2020 पृष्ठ संख्या.....—..... कॉलम.....—.....

समस्त हरियाणा बुधवार, 2 दिसंबर, 2020

भौगोलिक स्थिति व अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखकर करें रिसर्च : प्रो. समर

हकृवि कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा, समन्वित खेती को बढ़ावा दें किसान

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। वैज्ञानिक मौजूदा समय में बदलते जलवायु परिवेश, भौगोलिक परिस्थितियों व अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखते हुए अपने अनुसंधान कार्य को आगे बढ़ाएं।

इससे एक ओर जहां फसलों की गुणवत्ता कायम रहेगी वहीं दूसरी ओर अंतराष्ट्रीय बाजार में भी उनकी डिमांड बढ़ेगी। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि महाविद्यालय बावल में चल रहे अनुसंधान, शिक्षण, विस्तार व अन्य कार्यों का जायजा लेने के उपरांत वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे।

इस दौरान उन्होंने जल संरक्षण के लिए केंद्र में चल रहे टपका सिंचाई व अन्य तकनीकों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को अपना काम पूरी निष्ठा व कर्तव्य से करना चाहिए और उनका मुख्य लक्ष्य विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नई-नई तकनीकों व विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों की जानकारी किसानों तक पहुंचाना होना चाहिए। उन्होंने किसानों से समन्वित खेती को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जिन क्षेत्रों में भूमि कम ऊपजाऊ है, वहां किसान समन्वित कृषि प्रणाली अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति ने वैज्ञानिकों से बागवानी, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन व जैविक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

ये रहे मौजूद

क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र में विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश खोखर, बावल के क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ. विक्रम सिंह, कृषि महाविद्यालय के प्रिंसिपल डॉ. नरेश कौशिक, वरिष्ठ संयोजक डॉ. जोगेंद्र सिंह सहित क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, कृषि महाविद्यालय, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक व अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

गुणवत्ता पर हो अधिक जोर : डॉ. बनवारी

कुलपति के साथ बावल के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र में अपने भ्रमण के दौरान सहकारिता एवं पिछड़ा वर्ग के राज्य मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से कहा कि वे फसल उत्पादों की गुणवत्ता पर अधिक जोर दें ताकि इनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग बढ़े और किसान भी आर्थिक रूप से समृद्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि वे दक्षिण-पश्चिमी हरियाणा में स्थित विश्वविद्यालय के बावल अनुसंधान केंद्र के लिए सरकार से अतिरिक्त बजट की मांग करेंगे ताकि यहां ओर अधिक सुविधाएं मुहैया करवाई जा सकें और किसानों का भला हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....जगमार्ग........

दिनांक ..2.12.2020.... पृष्ठ संख्या ....—.... कॉलम ....—....

'भौगोलिक स्थिति व प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखकर करें रिसर्च'

समन्वित खेती को बढ़ावा दें किसान, आर्थिक स्थिति होगी मजबूत

राजेश्वर बैनीवाल जगमार्ग

हिसार। वैज्ञानिक मौजूदा समय में बदलते जलवायु परिवेश, भौगोलिक परिस्थितियों व अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखते हुए अपने अनुसंधान कार्य को आगे बढ़ाएं। इससे एक ओर जहां फसलों की गुणवत्ता कायम रहेगी वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी उनकी डिमांड बढ़ेगी।

यह बात सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल, कृषि विज्ञान केंद्र व कृषि महाविद्यालय बावल में चल रहे अनुसंधान, शिक्षण, विस्तार व अन्य कार्यों का जायजा लेते हुए व वैज्ञानिकों से रूबरू होते हुए कही। इस दौरान उन्होंने जल संरक्षण के लिए केंद्र में चल रहे टपका सिंचाई व अन्य तकनीकों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को अपना काम पूरी निष्ठा व कर्तव्य से करना चाहिए और उनका मुख्य लक्ष्य विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नई-नई तकनीकों व विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों की जानकारी किसानों तक पहुंचाना होना चाहिए। उन्होंने किसानों से समन्वित खेती को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जिन क्षेत्रों में भूमि कम उपजाऊ है, वहां किसान समन्वित कृषि प्रणाली अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति ने वैज्ञानिकों से बागवानी, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन व जैविक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मशरूम व मधुमक्खी का व्यवसाय किसान कम लागत से शुरू कर सकता है और अधिक मुनाफा कमा सकता है। इसी प्रकार कम सिंचित क्षेत्र में टपका सिंचाई कारगर साबित हो सकती है और वहां किसान मधुमक्खी पालन भी आसानी से कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक फसलों, फलों व सब्जियों की नई किस्मों व तकनीकों को विकसित करते समय इस बात का भी खास ध्यान रखें कि उसका लाभ हर छोटी से छोटी जोत वाले किसान तक पहुंचना चाहिए। इसके अलावा जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि गलत खानपान व अधिक रसायनों के प्रयोग से बढ़ रही बीमारियों पर अंकुश लगाया जा सके।

भ्रमण के दौरान हकृवि कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य अधिकारी। जगमार्ग

कुलपति के साथ बावल के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र में अपने भ्रमण के दौरान सहकारिता एवं पिछड़ा वर्ग के राज्य मंत्री डॉ बनवारी लाल ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से कहा कि वे फसल उत्पादों की गुणवत्ता पर अधिक जोर दें ताकि इनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग बढ़े और किसान भी आर्थिक रूप से समृद्ध हो सकें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ......समस्त हरियाणा, नभ-छोर......

दिनांक ..1..12..2020.. पृष्ठ संख्या ....—.... कॉलम ....—....

विश्वविद्यालय व किसानों के बीच एक नई व मजबूत संचार की प्रक्रिया का शुभारंभ होगा : प्रो. समर सिंह

हकृवि कुलपति बोले, सामुदायिक रेडियो स्टेशन के प्रसारणों का कृषि विकास में होगा महत्वपूर्ण योगदान

एचएयू के कुलपति ने कृषि विज्ञान केंद्र रोहतक व झज्जर के सामुदायिक रेडियो स्टेशनों का किया उद्घाटन

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के प्रसारणों का कृषि विकास में महत्वपूर्ण योगदान होगा। इन स्टेशनों पर किसानों को ध्यान में रखकर कार्यक्रम प्रसारित किए जाएंगे। इन पर प्रसारित कार्यक्रमों के माध्यम से किसान सम-सामयिक विषयों पर संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। ये चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के रोहतक व झज्जर में स्थित कृषि विज्ञान केंद्रों पर सामुदायिक रेडियो स्टेशन के विधिवत उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। इन रेडियो स्टेशनों को अब किसानों के लिए समर्पित कर दिया गया है। इन सामुदायिक रेडियो स्टेशनों को हरियाणा सरकार के सहयोग से स्थापित (आत्मा स्कीम के तहत) स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि इनसे किसानों को उनकी फसलों के उचित दाम, मौसम सम्बन्धी जानकारी, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सलाह, पशुपालन एवं गृह विज्ञान से संबंधित नवीनतम जानकारी प्रदान की जाएगी। ये रेडियो स्टेशन स्थानीय संस्कृति, कला एवं ज्ञान को भी बढ़ावा देंगे तथा किसानों की आय दोगुना करने में माननीय प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी जी के उद्देश्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि इन स्टेशनों पर महिलाओं को स्वावलंबी व स्वरोजगारोन्मुखी बनाने संबंधित कार्यक्रम भी सुव्यवस्थित तरीके से अधिक से अधिक प्रसारित किए जाएंगे।

2009 से किसानों की सेवा में विश्वविद्यालय का सामुदायिक रेडियो स्टेशन

किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा मौसम व कृषि संबंधी अधिक से अधिक जानकारी व लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में 29 नवंबर 2009 को सामुदायिक रेडियो स्टेशन की स्थापना की गई और एफ.एम. 91.2 मेगाहर्टज पर कार्यक्रम प्रस्तुत करने शुरू कर दिए। तब से लेकर लगातार किसानों को समय-समय पर मौसम, कृषि, विस्तार एवं शिक्षा सहित विभिन्न जानकारियां प्रसारित की जा रही हैं। समय-समय पर कृषि वैज्ञानिकों के पैनल द्वारा किसानों को कृषि संबंधी जानकारी प्रदान करने के लिए रेडियो स्टेशन पर बुलाया जाता है और साथ ही किसानों के सवालों के जवाब देकर उनकी समस्याओं के समाधान भी किए जाते हैं। सामुदायिक रेडियो स्टेशन द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों व जानकारियों को प्राप्त कर किसान कृषि के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहे हैं।

हकृवि के एबिक में प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट 4 दिसंबर को

हिसार (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में ऑनलाइन माध्यम से 4 दिसंबर को आइडिया इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए एबिक सेंटर की नॉडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस मीट में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह मुख्यातिथि होंगे जबकि अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक श्री राजीव महाजन अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने बताया कि आइडिया डेवलेपमेंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनेस मीट एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले पहली एग्री इन्वेस्टर्स मीट है, जो इनक्यूबिटीज व स्टार्टअप्स के लिए एक मंच के रूप में काम करेगी। इस मीट का मुख्य उद्देश्य एग्री इन्वेस्टमेंट में निवेश करना, उद्यमशील परिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना, एग्री आधारित इनोवेशन और एबीआईसी इन्क्यूबेटस की सफलता में नये आयाम स्थापित करना है। एट जीमेल डॉट कॉम पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके लिए प्रतिभागी को अपना नाम, फोन नंबर व ई-मेल की जानकारी देना अनिवार्य है।

हकृवि के रेडियो किसानों को देंगे संपूर्ण जानकारी

हिसार/01 दिसंबर/रिपोर्टर

सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के प्रसारणों का कृषि विकास में महत्वपूर्ण योगदान होगा। इन स्टेशनों पर किसानों को ध्यान में रखकर कार्यक्रम प्रसारित किए जाएंगे। इन पर प्रसारित कार्यक्रमों के माध्यम से किसान सम.सामयिक विषयों पर संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। ये बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कही। वे विश्वविद्यालय के रोहतक व झज्जर में स्थित कृषि विज्ञान केंद्रों पर सामुदायिक रेडियो स्टेशन के विधिवत उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। इन रेडियो स्टेशनों को अब किसानों के लिए समर्पित कर दिया गया है। इन सामुदायिक रेडियो स्टेशनों को हरियाणा सरकार के सहयोग से स्थापित आत्मा स्कीम के तहत स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि इनसे किसानों को उनकी फसलों के उचित दाम, मौसम सम्बन्धी जानकारी, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सलाह, पशुपालन एवं गृह विज्ञान से संबंधित नवीनतम जानकारी प्रदान की जाएगी। ये रेडियो स्टेशन स्थानीय संस्कृति, कला एवं ज्ञान को भी बढ़ावा देंगे तथा किसानों की आय दोगुना करने में प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी के उद्देश्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि इन स्टेशनों पर महिलाओं को स्वावलंबी व स्वरोजगारोन्मुखी बनाने संबंधित कार्यक्रम भी सुव्यवस्थित तरीके से अधिक से अधिक प्रसारित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक शिक्षा डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि भारत सरकार व हरियाणा सरकार की सहायता से इस तरह के छः सामुदायिक रेडियो स्टेशन विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों पर स्थापित किए गए हैं। इनमें रोहतक, झज्जर, पानीपत, कुरुक्षेत्र, जींद व सिरसा में भी स्थापित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि रोहतक व झज्जर के अलावा बाकि चार सामुदायिक रेडियो स्टेशन भी जल्द ही किसानों को समर्पित कर दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....उत्तम हिंदू.....

दिनांक 1.12.2012....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

विश्वविद्यालय व किसानों के बीच एक नई व मजबूत संचार की प्रक्रिया का शुभारंभ होगा : कुलपति

हिसार/प्रवीण कुमार

सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के प्रसारणों का कृषि विकास में महत्वपूर्ण योगदान होगा। इन स्टेशनों पर किसानों को ध्यान में रखकर कार्यक्रम प्रसारित किए जाएंगे। इन पर प्रसारित कार्यक्रमों के माध्यम से किसान सम-सामयिक विषयों पर संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह आज विश्वविद्यालय के रोहतक व झज्जर में स्थित कृषि विज्ञान केंद्रों पर सामुदायिक रेडियो स्टेशन के विधिवत उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। इन रेडियो स्टेशनों को अब किसानों के लिए समर्पित कर दिया गया है। इन सामुदायिक रेडियो स्टेशनों को हरियाणा सरकार के सहयोग से स्थापित (आत्मा स्कीम के तहत) स्थापित किया गया है। कुलपति ने कहा कि इनसे किसानों को उनकी फसलों के उचित दाम, मौसम सम्बन्धी जानकारी, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सलाह, पशुपालन एवं गृह विज्ञान से संबंधित नवीनतम जानकारी प्रदान की जाएगी। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक शिक्षा डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि भारत सरकार व हरियाणा सरकार की सहायता से इस तरह के छः सामुदायिक रेडियो स्टेशन विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों पर स्थापित किए गए है। इनमें रोहतक, झज्जर के अलावा पानीपत, कुरूक्षेत्र, जींद व सिरसा में भी स्थापित किए गए है। रोहतक व झज्जर के अलावा बाकि चार सामुदायिक रेडियो स्टेशन भी जल्द ही किसानों को समर्पित कर दिए जाएंगे। व सिरसा में भी स्थापित किए गए है। रोहतक व झज्जर के अलावा बाकि चार सामुदायिक रेडियो स्टेशन भी जल्द ही किसानों को समर्पित कर दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....जीवन संचार.....

दिनांक ..1..12..2020..पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

SHARE 0

विश्वविद्यालय व किसानों के बीच एक नई व मजबूत संचार की प्रक्रिया का शुभारंभ होगा

एचएयू के कुलपति ने कृषि विज्ञान केंद्र रोहतक व झज्जर के सामुदायिक रेडियो स्टेशनों का किया लोकार्पण

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........सुचिक हरियाणा..

दिनांक ..2...12...2020..पृष्ठ संख्या........—........कॉलम........—........

सामुदायिक रेडियो स्टेशन के प्रसारणों का कृषि विकास में होगा महत्वपूर्ण योगदान : कुलपति प्रोफेसर समर सिंह

December 01, 2020 • Rakesh

विश्वविद्यालय व किसानों के बीच एक नई व मजबूत संचार की प्रक्रिया का शुभारंभ होगा : कुलपति

एचएयू के कुलपति ने कृषि विज्ञान केंद्र रोहतक व झज्जर के सामुदायिक रेडियो स्टेशनों का किया उद्घाटन

हिसार : 1 दिसंबर 2020

सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के प्रसारणों का कृषि विकास में महत्वपूर्ण योगदान होगा। इन स्टेशनों पर किसानों को ध्यान में रखकर कार्यक्रम प्रसारित किए जाएंगे। इन पर प्रसारित कार्यक्रमों के माध्यम से किसान सम-सामयिक विषयों पर संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। ये चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे विश्वविद्यालय के रोहतक व झज्जर में स्थित कृषि विज्ञान केंद्रों पर सामुदायिक रेडियो स्टेशन के विधिवत उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। इन रेडियो स्टेशनों को अब किसानों के लिए समर्पित कर दिया गया है। इन सामुदायिक रेडियो स्टेशनों को हरियाणा सरकार के सहयोग से स्थापित (आत्मा स्कीम के तहत) स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि इनसे किसानों को उनकी फसलों के उचित दाम, मौसम सम्बन्धी जानकारी, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सलाह, पशुपालन एवं गृह विज्ञान से संबंधित नवीनतम जानकारी प्रदान की जाएगी। ये रेडियो स्टेशन स्थानीय संस्कृति, कला एवं ज्ञान को भी बढ़ावा देंगे तथा किसानों की आय दोगुना करने में माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेंद्र मोदी जी के उद्देश्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगें। उन्होंने बताया कि इन स्टेशनों पर महिलाओं को स्वावलंबी व स्वरोजगारोन्मुखी बनाने संबंधित कार्यक्रम भी सुव्यविस्थत तरीके से अधिक से अधिक प्रसारित किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......जीवन आधार..

दिनांक ..1.12.2020......पृष्ठ संख्या........—..........कॉलम........—

विश्वविद्यालय व किसानों के बीच एक नई व मजबूत संचार की प्रक्रिया का शुभारंभ होगा

एचएयू के कुलपति ने कृषि विज्ञान केंद्र रोहतक व झज्जर के सामुदायिक रेडियो स्टेशनों का किया उद्घाटन

हिसार,

सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के प्रसारणों का कृषि विकास में महत्वपूर्ण योगदान होगा। इन स्टेशनों पर किसानों को ध्यान में रखकर कार्यक्रम पसारित किए जाएंगे। इन पर प्रसारित कार्यक्रमों के माध्यम से किसान सम-सामयिक विषयों पर संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। यह बात हरियाणा कृषि के कुलपति प्रो. समर सिंह ने विश्वविद्यालय के रोहतक व झज्जर में स्थित कृषि विज्ञान केंद्रों पर सामुदायिक रेडियो स्टेशन का उद्घाटन करते हुए कही। इन रेडियो स्टेशनों को अब किसानों के लिए समर्पित कर दिया गया है। इन सामुदायिक रेडियो स्टेशनों को हरियाणा सरकार के सहयोग से स्थापित (आत्मा स्कीम के तहत) स्थापित किया गया है।कुलपति ने कहा कि इनसे किसानो का उनकी फसलों के उचित दाम, मौसम सम्बन्धी जानकारी, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की सलाह, पशुपालन एवं गृह विज्ञान से संबंधित नवीनतम जानकारी प्रदान की जाएगी। ये रेडियो स्टेशन स्थानीय संस्कृति, कला एवं ज्ञान को भी बढ़ावा देंगे तथा किसानों की आय दोगुना करने में प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी के उद्देश्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगें। उन्होंने बताया कि इन स्टेशनों पर महिलाओं को स्वावलंबी व स्वरोजगारोन्मुखी बनाने संबंधित कार्यक्रम भी सुव्यविस्थत तरीके से अधिक से अधिक प्रसारित किए जाएंगे।

छह कृषि विज्ञान केंद्रों पर स्थापित किए गए हैं सामुदायिक रेडियो स्टेशन

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक शिक्षा डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि भारत सरकार व हरियाणा सरकार की सहायता से इस तरह के छह सामुदायिक रेडियो स्टेशन विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों पर स्थापित किए गए हैं। इनमें रोहतक, झज्जर के अलावा पानीपत, कुरुक्षेत्र, जींद व सिरसा में भी स्थापित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि रोहतक व झज्जर के अलावा बाकि चार सामुदायिक रेडियो स्टेशन भी जल्द ही किसानों को समर्पित कर दिए जाएंगे। कृषि विज्ञान केन्द्र झज्जर के संयोजक डॉ. यू.के. शर्मा व रोहतक के संयोजक डॉ. मीना सिवाच ने बताया कि ये रेडियो स्टेशन प्रतिदिन 2 घंटे सुबह (9:30-11:30 बजे) व दो घंटे सायंकाल (2:30-04:30 बजे) किसानों के लिए कार्यक्रम प्रसारित किए जाएंगे। इन सामुदायिक रेडियो स्टेशनों की रेंज 15-20 किलोमीटर तक होगी। इस अवसर विश्वविद्यालय के प्रबंधक मंडल के सदस्य आनंद सागर व कृषि विज्ञान केंद्रों के अधिकारियों के अलावा किसान भी मौजूद थे।

विश्वविद्यालय का सामुदायिक रेडियो स्टेशन 2009 से किसानों की सेवा में

किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा मौसम व कृषि संबंधी अधिक से अधिक जानकारी व लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में 29 नवंबर 2009 को सामुदायिक रेडियो स्टेशन की स्थापना की गई और एफ.एम. 91.2 मैगाहर्टज पर कार्यक्रम पस्तुत करने शुरु कर दिए। तब से लेकर लगातार किसानों को समय-समय पर मौसम, कृषि, विस्तार एवं शिक्षा सहित विभिन्न जानकारियां प्रसारित की जा रही हैं। समय-समय पर कृषि वैज्ञानिकों के पैनल द्वारा किसानों को कृषि संबंधी जानकारी पदान करने के लिए रेडियो स्टेशन पर बुलाया जाता है और साथ ही किसानों के सवालों के जवाब देकर उनकी समस्याओं के समाधान भी किए जाते हैं। सामुदायिक रेडियो स्टेशन द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों व जानकारियों को प्राप्त कर किसान कृषि के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक 2.12.2020.....पृष्ठ संख्या.....2.........कॉलम.....3-6.....

एचएयू में ऑनलाइन सिखाया सोयाबीन और मूंगफली के उत्पाद बनाना

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सोयाबीन व मूंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। समापन अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि अधिकतर आबादी शाकाहारी होने के कारण उनके भोजन में प्रोटीन का स्त्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा का स्त्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता रखता है। लघु उद्योग चलाने वाले रवि जांगड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अपने उद्योग का भ्रमण करवाया और उद्योग के विभिन्न आयामों से अवगत कराया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन से दूध व पनीर को मशीनों द्वारा तैयार करना सिखाया। इसके अलावा सोया आटा, सोया चाप, सोया कटलट व कवाब, सेव व स्टीक्स, सब्जी व पुलाव, सोया सत्तू व सोयानट्स बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया। डॉ. वर्षा ने प्रतिभागियों को मूंगफली की चटनी, मूंगफली गुड़ की पट्टी, मूंगफली चाट, इसके चावल व पुलाव और मंगफली के लड्डू बनाने सिखाए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 2.12.2020...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....4-6.....

महिलाओं और बच्चों में कुपोषण दूर कर सकता है सोयाबीन व मूंगफली

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय सोयाबीन व मूंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। प्रशिक्षण विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आरएस हुड्डा के देखरेख में किया गया। समापन पर सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डा. अशोक गोदारा ने कहा कि भारत में महिलाओं व बच्चों में कुपोषण की समस्या ज्यादा है। अधिकतर आबादी शाकाहारी होने के कारण उनके भोजन में प्रोटीन का स्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा का स्त्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता रखता है।

ऑनलाइन प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए उत्पाद। ● पीआरओ

उत्पादों की मार्केटिंग का बताया तरीका

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से सिखाई गई विधियों से घर पर ही सोया दूध व पनीर तैयार करने का असाइनमेंट दिया गया। प्रतिभागियों ने इस ऑनलाइन असाइनमेंट के लिए घर पर ही उत्पाद तैयार किए और इन उत्पादों की वीडियो व फोटो को शेयर किया।

मूंगफली से बनने वाले उत्पादों की दी जानकारी

लघु उद्योग चलाने वाले रवि जांगड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को अपनी यूनिट में भ्रमण करवाया और उद्योग के विभिन्न आयामों से अवगत कराया। उन्होंने प्रशिक्षाणर्थियों को सोयाबीन से दूध व पनीर को मशीनों द्वारा तैयार करना सिखाया। इसके अलावा सोया आटा, सोया चाप, सोया कटलट व कवाब, सेव व स्टीक्स, सब्जी व पुलाव, सोया सत्तू व सोयानट्स बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया। डा. वर्षा ने प्रतिभागियों को मूंगफली की चटनी, मूंगफली गुड़ की पट्टी, मूंगफली चाट, इसके चावल व पुलाव और मूंगफली के लड्डू बनाने सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन व मूंगफली से विभिन्न उत्पादन बनाने के बारे में ऑनलाइन माध्यम से विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 2.12.2020.....पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....7-8.....

ऑनलाइन प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए उत्पाद।

'सोयाबीन व मूंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न'

हिसार, 1 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में 3 दिवसीय 'सोयाबीन व मूंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया।

महिलाओं व बच्चों में कुपोषण की समस्या ज्यादा

समापन अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डा. अशोक गोदारा ने कहा कि भारत में महिलाओं व बच्चों में कुपोषण की समस्या ज्यादा है। अधिकतर आबादी शाकाहारी होने के कारण उनके भोजन में प्रोटीन का स्त्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा का स्त्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता रखता है। लघु उद्योग चलाने वाले रवि जांगड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अपने उद्योग का भ्रमण करवाया और इसके विभिन्न आयामों से अवगत कराया। उन्होंने प्रशिक्षाणर्थियों को सोयाबीन से दूध व पनीर को मशीनों द्वारा तैयार करना सिखाया। इसके अलावा सोया आटा, सोया चाप, सोया कटलेट व कबाब, सेव व स्टिक्स, सब्जी व पुलाव, सोया सत्तू व सोयानट्स बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया। इस प्रशिक्षण के दौरान डा. पवित्रा कुमारी, डा. देवेंद्र सिंह, डा. भूपेंद्र सिंह आदि ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम पांच बड़ो

दिनांक 1.12.2020 पृष्ठ संख्या कॉलम

सार समाचार

लघु उद्योग का वर्चुअल भ्रमण करवा सिखाया सोयाबीन व मुंगफली के उत्पाद बनाना

'सोयाबीन व मुंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सोयाबीन व मुंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। समापन अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि भारत में महिलाओं व बच्चों में कुपोषण की समस्या ज्यादा है। अधिकतर आबादी शाकाहारी होने के कारण उनके भोजन में प्रोटीन का स्त्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसें में प्रोटीन व वसा का स्त्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता रखता है। लघु उद्योग चलाने वाले रवि जांगड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अपने उद्योग का भ्रमण करवाया और उद्योग के विभिन्न आयामों से अवगत कराया। उन्होंने प्रशिक्षाणर्थियों को सोयाबीन से दूध व पनीर को मशीनों द्वारा तैयार करना सिखाया। इसके अलावा सोया आटा, सोया चाप, सोया कटलट व कवाब, सेव व स्टीक्स, सब्जी व पुलाव, सोया सत्तू व सोयानट्स बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया। डॉ. वर्षा ने प्रतिभागियों को मुंगफली की चटनी, मुंगफली गुड़ की पट्टी, मुंगफली चाट, इसके चावल व पुलाव और मुंगफली के लड्डू बनाने सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन व मुंगफली से विभिन्न उत्पादन बनाने के बारे में ऑनलाइन माध्यम से विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

उत्पादों की मार्केटिंग का बताया तरीका

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से सिखाई गई विधियों से घर पर ही सोया दूध व पनीर तैयार करने का असाइनमेंट दिया गया। प्रतिभागियों ने इस ऑनलाइन असाइनमेंट के लिए घर पर ही उत्पाद तैयार किए और इन उत्पादों की वीडियो व फोटो को शेयर किया। डॉ. डी.के. शर्मा व डॉ. सुरेंद्र कुमार ने इन असाइनमेंट का आंकलन किया और इसके लिए प्रतिभागी महेंद्र सिंह, नीरज यादव, रेणू चौधरी, लक्ष्मी, आशा, दलबीर सिंह, संजय कुमार, मोहन गर्ग, कांता शर्मा व अनिल यादव द्वारा तैयार किए गए सोया दूध व पनीर को सर्वोत्तम पाया गया। डॉ. निर्मल कुमार ने सोयाबीन व मुंगफली के उत्पादों की मार्केटिंग के बारे में समझाया जबकि डॉ. संदीप भाकर ने सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की। इस प्रशिक्षण के दौरान डॉ. पवित्रा कुमारी, डॉ. देवेंद्र सिंह, डॉ. भूपेंद्र सिंह आदि ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी दिल्ली.....

दिनांक 2..12..2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

लघु उद्योग का वर्चुअल भ्रमण करवा सिखाया सोयाबीन व मुंगफली के उत्पाद बनाना

हिसार, 1 दिसम्बर (राज पराशर) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सोयाबीन व मुंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आरएस हुड्डा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। समापन अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डा. अशोक गोदारा ने कहा कि भारत में महिलाओं व बच्चों में कुपोषण की समस्या ज्यादा है। अधिकतर आबादी शाकाहारी होने के कारण उनके भोजन में प्रोटीन का स्त्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा का स्त्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता रखता है। लघु उद्योग चलाने वाले रवि जांगड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अपने उद्योग का भ्रमण करवाया और उद्योग के विभिन्न आयामों से अवगत कराया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन से दूध व पनीर को मशीनों द्वारा तैयार करना सिखाया। इसके अलावा सोया आटा, सोया चाप, सोया कटलट व कवाब, सेव व स्टीक्स, सब्जी व पुलाव, सोया सतू व सोयानट्स बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया। डॉ. वर्षा ने प्रतिभागियों को मुंगफली की चटनी, मुंगफली गुड़ की पट्टी, मुंगफली चाट, इसके चावल व पुलाव और मुंगफली के लड्डू बनाने सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन व मुंगफली से विभिन्न उत्पादन बनाने के बारे में ऑनलाइन माध्यम से विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......पूनिक हरियाणा......

दिनांक ..2.12.2020.. पृष्ठ संख्या......—...... कॉलम......—......

'सोयाबीन व मुंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर H.A.U मे तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

December 01, 2020 - Rakesh

हिसार : 1 दिसंबर
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं
शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सोयाबीन व मुंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर
ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ.
आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। समापन अवसर पर सायना नेहवाल कृषि
प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण)डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि
भारत में महिलाओं व बच्चों में कुपोषण की समस्या ज्यादा है। अधिकतर आबादी शाकाहारी होने के
कारण उनके भोजन में प्रोटीन का स्त्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा का स्त्रोत
सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता रखता है। लघु उद्योग
चलाने वाले रवि जांगड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अपने उद्योग का भ्रमण
करवाया और उद्योग के विभिन्न आयामों से अवगत कराया। उन्होंने प्रशिक्षाणर्थियों को सोयाबीन
से दूध व पनीर को मशीनों द्वारा तैयार करना सिखाया। इसके अलावा सोया आटा, सोया चाप,
सोया कटलट व कवाब, सेव व स्टीक्स, सब्जी व पुलाव, सोया सत्तू व सोयानट्स बनाने की सरल
विधियों से अवगत कराया। डॉ. वर्षा ने प्रतिभागियों को मुंगफली की चटनी, मुंगफली गुड़ की पट्टी,
मुंगफली चाट, इसके चावल व पुलाव और मुंगफली के लड्डू बनाने सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान
प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन व मुंगफली से विभिन्न उत्पादन बनाने के बारे में ऑनलाइन माध्यम
से विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

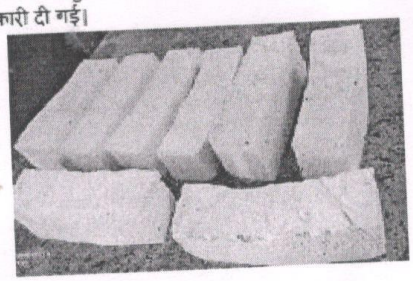

उत्पादों की मार्केटिंग का बताया तरीका
प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से सिखाई गई विधियों से घर पर ही सोया
दूध व पनीर तैयार करने का असाइनमेंट दिया गया। प्रतिभागियों ने इस ऑनलाइन असाइनमेंट के
लिए घर पर ही उत्पाद तैयार किए और इन उत्पादों की वीडियो व फोटो को शेयर किया। डॉ. डी.के.
शर्मा व डॉ. सुरेंद्र कुमार ने इन असाइनमेंट का आंकलन किया और इसके लिए प्रतिभागी महेंद्र
सिंह, नीरज यादव, रेणू चौधरी, लक्ष्मी, आशा, दलबीर सिंह, संजय कुमार, मोहन गर्ग, कांता शर्मा व
अनिल यादव द्वारा तैयार किए गए सोया दूध व पनीर को सर्वोत्तम पाया गया। डॉ. निर्मल कुमार
ने सोयाबीन व मुंगफली के उत्पादों की मार्केटिंग के बारे में समझाया जबकि डॉ. संदीप भाकर ने
सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की। इस प्रशिक्षण के दौरान डॉ. पवित्रा कुमारी, डॉ. देवेंद्र
सिंह, डॉ. भूपेंद्र सिंह आदि ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम .... वाटिका हिसार ....

दिनांक 1.12.2020 पृष्ठ संख्या ...... — ...... कॉलम ...... — ......

लघु उद्योग का वर्चुअल भ्रमण करवा सिखाया सोयाबीन व मुंगफली के उत्पाद बनाना

ह्यसोयाबीन व मुंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पादह्न विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

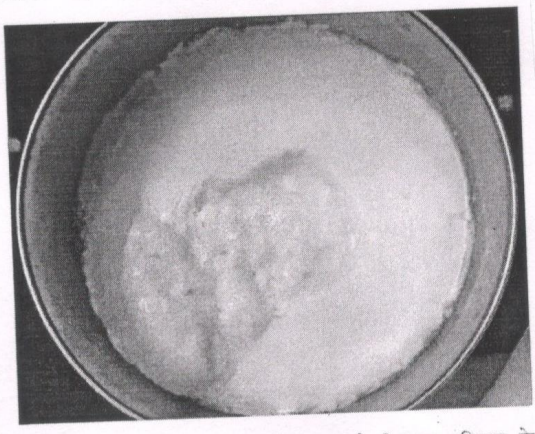

वाटिका@हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय ह्यसोयाबीन व मुंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पादह्न विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। समापन अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि भारत में महिलाओं व बच्चों में कुपोषण की समस्या ज्यादा है। अधिकतर आबादी शाकाहारी होने के कारण उनके भोजन में प्रोटीन का स्त्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा का स्त्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता रखता है।

लघु उद्योग चलाने वाले रवि जांगड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अपने उद्योग का भ्रमण करवाया और उद्योग के विभिन्न आयामों से अवगत कराया। उन्होंने प्रशिक्षाणर्थियों को सोयाबीन से दूध व पनीर को मशीनों द्वारा तैयार करना सिखाया। इसके अलावा सोया आटा, सोया चाप, सोया कटलट व कवाब, सेव व स्टीक्स, सब्जी व पुलाव, सोया सत्तू व सोयानट्स बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया।

डॉ. वर्षा ने प्रतिभागियों को मुंगफली की चटनी, मुंगफली गुड़ की पट्टी, मुंगफली चाट, इसके चावल व पुलाव और मुंगफली के लड्डू बनाने सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन व मुंगफली से विभिन्न उत्पादन बनाने के बारे में ऑनलाइन माध्यम से विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

CHAUDHARY CHARAN SINGH HARYANA AGRICULTURAL UNIVERSITY 1970

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

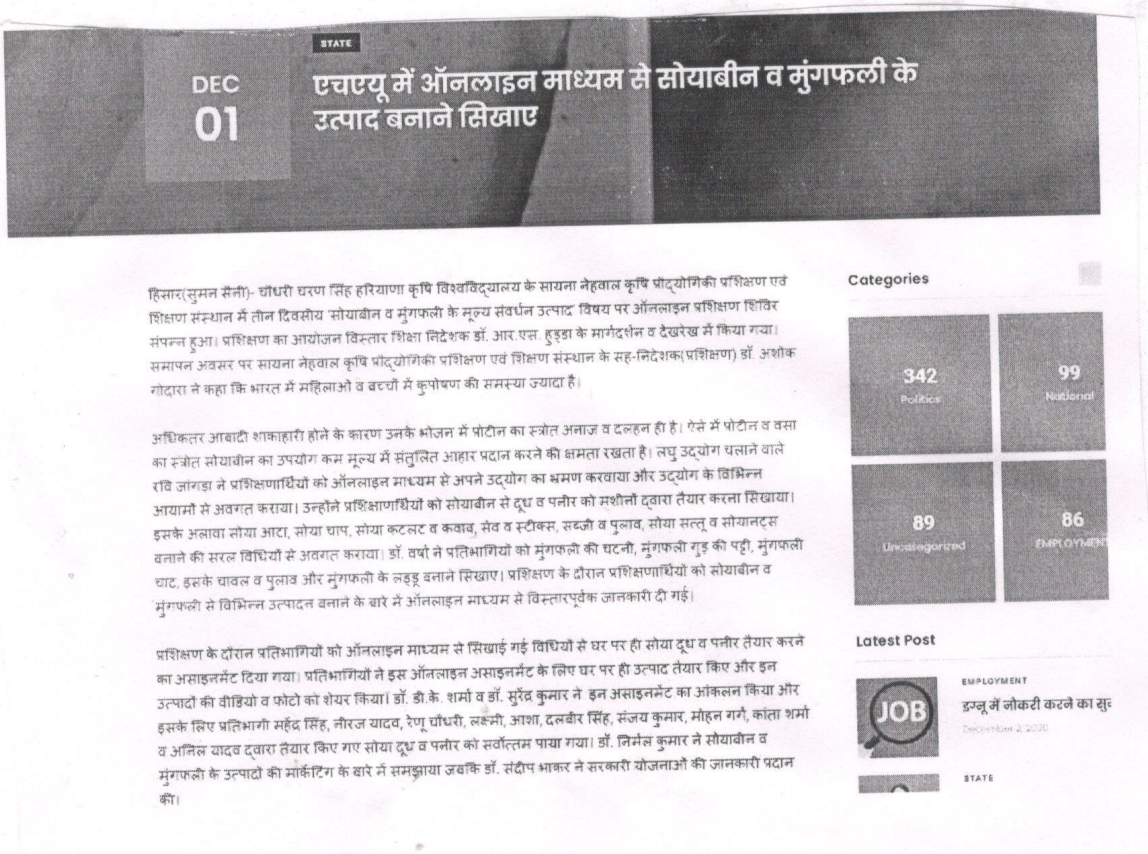

समाचार पत्र का नाम........दो टूक........

दिनांक ..1.12.2020.. पृष्ठ संख्या.......—....... कॉलम.......—.......

STATE

DEC 01

एचएयू में ऑनलाइन माध्यम से सोयाबीन व मुंगफली के उत्पाद बनाने सिखाए

हिसार(सुमन सैनी)- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सोयाबीन व मुंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का आयोजन विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा के मार्गदर्शन व देखरेख में किया गया। समापन अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि भारत में महिलाओं व बच्चों में कुपोषण की समस्या ज्यादा है।

अधिकतर आबादी शाकाहारी होने के कारण उनके भोजन में प्रोटीन का स्त्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा का स्त्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता रखता है। लघु उद्योग चलाने वाले रवि जांगड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अपने उद्योग का भ्रमण करवाया और उद्योग के विभिन्न आयामों से अवगत कराया। उन्होंने प्रशिक्षाणर्थियों को सोयाबीन से दूध व पनीर को मशीनों द्वारा तैयार करना सिखाया। इसके अलावा सोया आटा, सोया चाप, सोया कटलट व कबाब, सेव व स्टीक्स, सब्जी व पुलाव, सोया सत्तू व सोयालट्स बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया। डॉ. वर्षा ने प्रतिभागियों को मुंगफली की चटनी, मुंगफली गुड़ की पट्टी, मुंगफली चाट, इसके चावल व पुलाव और मुंगफली के लड्डू बनाने सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन व मुंगफली से विभिन्न उत्पादन बनाने के बारे में ऑनलाइन माध्यम से विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से सिखाई गई विधियों से घर पर ही सोया दूध व पनीर तैयार करने का असाइनमेंट दिया गया। प्रतिभागियों ने इस ऑनलाइन असाइनमेंट के लिए घर पर ही उत्पाद तैयार किए और इन उत्पादों की वीडियो व फोटो को शेयर किया। डॉ. डी.के. शर्मा व डॉ. सुरेंद्र कुमार ने इन असाइनमेंट का आंकलन किया और इसके लिए प्रतिभागी महेंद्र सिंह, नीरज यादव, रेणू चौधरी, लक्ष्मी, आशा, दलबीर सिंह, संजय कुमार, मोहन गर्ग, कांता शर्मा व अनिल यादव द्वारा तैयार किए गए सोया दूध व पनीर को सर्वोत्तम पाया गया। डॉ. निर्मल कुमार ने सोयाबीन व मुंगफली के उत्पादों की मार्केटिंग के बारे में समझाया जबकि डॉ. संदीप भाकर ने सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की।

Categories

342 Politics

99 National

89 Uncategorized

86 EMPLOYMENT

Latest Post

EMPLOYMENT

JOB

इग्नू में नौकरी करने का सु

December 2, 2020

STATE

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......नभ. छोर......

दिनांक ..1.-12.-2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

सोयाबीन से विभिन्न उत्पाद बनाने का दिया प्रशिक्षण

हिसार/01 दिसंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय सोयाबीन व मुंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर के समापन पर संस्थान के सह.निदेशक प्रशिक्षण डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि भारत में महिलाओं व बच्चों में कुपोषण की समस्या ज्यादा है। अधिकतर आबादी शाकाहारी होने के कारण उनके भोजन में प्रोटीन का स्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा का स्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता रखता है। लघु उद्योग चलाने वाले रवि जांगड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अपने उद्योग का भ्रमण करवाया और उद्योग के विभिन्न आयामों से अवगत कराया। उन्होंने प्रशिक्षाणर्थियों को सोयाबीन से दूध व पनीर को मशीनों द्वारा तैयार करना सिखाया। इसके अलावा सोया आटा, सोया चाप, सोया कटलेट व कबाब, सेव व स्टीक्स, सब्जी व पुलाव, सोया सत्तू व सोयानट्स बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया। डॉ. वर्षा ने प्रतिभागियों को मुंगफली की चटनी, मुंगफली गुड़ की पट्टी, मुंगफली चाट, इसके चावल व पुलाव और मुंगफली के लड्डू बनाने सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन व मुंगफली से विभिन्न उत्पादन बनाने के बारे में ऑनलाइन माध्यम से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से सिखाई गई विधियों से घर पर ही सोया दूध व पनीर तैयार करने का असाइनमेंट दिया गया। प्रतिभागियों ने इस ऑनलाइन असाइनमेंट के लिए घर पर ही उत्पाद तैयार किए और इन उत्पादों की वीडियो व फोटो को शेयर किया। डॉ. डीके शर्मा व डॉ. सुरेंद्र कुमार ने इन असाइनमेंट का आंकलन किया और इसके लिए प्रतिभागी महेंद्र सिंह, नीरज यादव, रेणू चौधरी, लक्ष्मी, आशा, दलबीर सिंह, संजय कुमार, मोहन गर्ग, कांता शर्मा व अनिल यादव द्वारा तैयार किए गए सोया दूध व पनीर को सर्वोत्तम पाया गया। डॉ. निर्मल कुमार ने सोयाबीन व मुंगफली के उत्पादों की मार्केटिंग के बारे में समझाया जबकि डॉ. संदीप भाकर ने सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की। इस प्रशिक्षण के दौरान डॉ. पवित्रा कुमारी, डॉ. देवेंद्र सिंह, डॉ. भूपेंद्र सिंह आदि ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सिटी प्लस.....

दिनांक 1.12.2022.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

'सोयाबीन व मुंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न

सिटी प्लस न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान में तीन दिवसीय 'सोयाबीन व मुंगफली के मूल्य संवर्धन उत्पाद' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। समापन अवसर पर सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कहा कि भारत में महिलाओं व बच्चों में कुपोषण की समस्या ज्यादा है। अधिकतर आबादी शाकाहारी होने के कारण उनके भोजन में प्रोटीन का स्त्रोत अनाज व दलहन ही है। ऐसे में प्रोटीन व वसा का स्त्रोत सोयाबीन का उपयोग कम मूल्य में संतुलित आहार प्रदान करने की क्षमता रखता है। लघु उद्योग चलाने वाले रवि जांगड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से अपने उद्योग का भ्रमण करवाया और उद्योग के विभिन्न आयामों से अवगत कराया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन से दूध व पनीर को मशीनों द्वारा तैयार करना सिखाया। इसके अलावा सोया आटा, सोया चाप, सोया कटलट व कवाब, सेव व स्टीक्स, सब्जी व पुलाव, सोया सत्तू व सोयानट्स बनाने की सरल विधियों से अवगत कराया। डॉ. वर्षा ने प्रतिभागियों को मुंगफली की चटनी, मुंगफली गुड़ की पट्टी, मुंगफली चाट, इसके चावल व पुलाव और मुंगफली के लड्डू बनाने सिखाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को सोयाबीन व मुंगफली से विभिन्न उत्पादन बनाने के बारे में जानकारी दी गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....जगमार्ग न्यूज...............

दिनांक 1.12.2020.... पृष्ठ संख्या ....—.... कॉलम ....—....

गुरुग्राम में 'इस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड एग्रीप्रीन्योरशिप' खुलेगा

जगमार्ग न्यूज

युवाओं को कृषि क्षेत्र में व्यापार और प्रबंधन में दिया जाएगा प्रशिक्षण

गुरुग्राम। हरियाणा के युवाओं को कृषि क्षेत्र में व्यापार और प्रबंधन में प्रशिक्षण देने के लिए गुरुग्राम में 'इस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड एग्रीप्रीन्योरशिप' खोला जाएगा। इस संस्थान के लिए गुरुग्राम जिला के गांव दौलताबाद में जगह चिन्हित की गई है।

जानकारी देते हुए बादशाहपुर के विधायक एवं हरियाणा एग्रो इन्डस्ट्रीज कॉर्पोरेशन के चेयरमैन राकेश दौलताबाद ने बताया कि कृषि से जुड़े उद्योगों और व्यापार के प्रबंधन में युवाओं को प्रशिक्षित करने और उन्हें कुशल बनाने के लिए यह संस्थान खोला जा रहा है जो गांव दौलताबाद के निकट 6 एकड भूमि पर विकसित होगा। यह भूमि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार ने लीज पर ली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किसानों की आय 2022 तक दोगुनी करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवाओं को कृषि से जुड़े उद्योग धंधों के साथ जोड़ना और उन्हें प्रशिक्षित करना जरूरी है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यह संस्थान गुरुग्राम में खोला जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस संस्थान की आधारशिला हरियाणा के मुख्यमंत्री से रखवाई जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 2.12.2020 पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....3-4.....

एबिक में स्टार्टअप्स के लिए आइडिया इन्वेस्टर मीट 4 को

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में ऑनलाइन माध्यम से 4 दिसंबर को आइडिया इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया जाएगा। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डा. सीमा रानी ने बताया कि इस मीट में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह मुख्यातिथि होंगे। जबकि अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने बताया कि आइडिया डेवलपमेंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनेस मीट एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाली पहली एवर इन्वेस्टर्स मीट है, जो इनक्युबिटीज व स्टार्टअप्स के लिए एक मंच के रूप में काम करेगी। इस मीट का मुख्य उद्देश्य एग्री इन्वेस्टमेंट में निवेश करना, उद्यमशील परिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना, एग्री आधारित इनोवेशन और एबीआइसी इन्क्यूबेटस की सफलता में नए आयाम स्थापित करना है। उन्होंने बताया कि इस मीट में भाग लेने के लिए स्टार्टअप्स एबिक सेंटर की ई-मेल एबिकसीसीएसएचएयू एट जीमेल डॉट कॉम पर अपना पंजीकरण करवा सकते है। इसके लिए प्रतिभागी को अपना नाम, फोन नंबर व ई-मेल की जानकारी देना अनिवार्य है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... पंजाब केसरी .....

दिनांक 2.12.2020 पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....5.....

'एच.ए.यू. एबिक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वैस्टर मीट 4 को'

देश के जाने-माने इन्वैस्टर्स व नाबार्ड अधिकारी होंगे रूबरू

हिसार, 1 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में ऑनलाइन माध्यम से 4 दिसम्बर को आइडिया इन्वैस्टर मीट का आयोजन किया जाएगा। सैंटर की नोडल अधिकारी डा. सीमा रानी ने बताया कि इस मीट में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह मुख्यातिथि होंगे, जबकि अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन करेंगे। उन्होंने बताया कि आइडिया डिवैल्पमैंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनैस मीट एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले पहली एवर इनवैस्टर्स मीट है, जो इनक्युबिटीज व स्टार्टअप्स के लिए एक मंच के रूप में काम करेगी। इसका मुख्य उद्देश्य कृषि में निवेश करना, उद्यमशील परिस्थिति तंत्र को बढ़ावा देना, एग्री आधारित इनोवेशन और ए.बी.आई.सी. इन्क्यूबैटस की सफलता में नए आयाम स्थापित करना है। इस मीट में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 2.12.2020.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....3.....

एबिक में स्टार्टअप्स को प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट 4 दिसंबर को

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में ऑनलाइन 4 दिसंबर को आइडिया इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया जाएगा। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस मीट में एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह मुख्यातिथि होंगे और अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने बताया कि आइडिया डिवेलपमेंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनेस. मीट एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले पहली एवर इनवेस्टर्स मीट है, जो इनक्युबिटीज व स्टार्टअप्स के लिए एक मंच के रूप में काम करेगी। इस मीट का मुख्य उद्देश्य एग्री इन्वेटमेंट में निवेश करना, उद्यमशील परिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना, एग्री आधारित इनोवेशन और एबीआईसी इन्क्यूबेटस की सफलता में नये आयाम स्थापित करना है। इसमें भाग लेने के लिए स्टार्टअप्स एबिक सेंटर की ई-मेल एबिकसीसीएसएचएयू एट जीमेल डॉट कॉम पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके लिए प्रतिभागी को अपना नाम, फोन नंबर व ई-मेल की जानकारी देना अनिवार्य है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....उत्तम हिन्दु....

दिनांक 1.12.2020 पृष्ठ संख्या.... कॉलम....

'आइडिया इन्वेस्टर मीट' 4 को

चंडीगढ़/खुशबू नैब

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में ऑनलाइन माध्यम से आगामी 4 दिसंबर को 'आइडिया इन्वेस्टर मीट' का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस मीट में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह मुख्य अतिथि होंगे जबकि अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक श्री राजीव महाजन करेंगे। उन्होंने बताया कि आइडिया डेवलेपमेंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनेस मीट एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले पहली एवर इनवेस्टर्स मीट है, जो इन्क्युबिटीज व स्टार्टअप्स के लिए एक मंच के रूप में काम करेगी।

एबिक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट 4 दिसंबर को

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में ऑनलाइन माध्यम से 4 दिसंबर को आइडिया इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए एबिक सेंटर की नॉडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस मीट में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह मुख्यातिथि होंगे जबकि अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक श्री राजीव महाजन अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने बताया कि आइडिया डेवलपमेंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनेस (द्बष्ठश्व) मीट एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले पहली एवर इनवेस्टर्स मीट है। इस मीट का मुख्य उद्देश्य एग्री इन्वेटमेंट में निवेश करना, उद्यमशील परिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना, एग्री आधारित इनोवेशन और एबीआईसी इन्क्यूबेटस की सफलता में नये आयाम स्थापित करना है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 2.12.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—

न्यूज गैलरी

हकृवि के एबिक सेंटर में आइडिया इन्वेस्टर मीट 4 को

डॉ. सीमा रानी

हिसार, (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में ऑनलाइन माध्यम से 4 दिसंबर को आइडिया इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया जाएगा। एबिक सेंटर की नॉडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस मीट में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह मुख्यातिथि होंगे जबकि अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन अध्यक्षता करेंगे। इस मीट का मुख्य उद्देश्य एग्री इन्वेटमेंट में निवेश करना, उद्यमशील परिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना, एग्री आधारित इनोवेशन और एग्रीआईसी इन्क्यूबेटस की सफलता में नये आयाम स्थापित करना है। उन्होंने बताया कि इस मीट में भाग लेने के लिए स्टार्टअप्स एबिक सेंटर की ई-मेल एबिकसीसीएसएचएयू एट जीमेल डॉट कॉम पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इस मीट में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....हिसार टुडे........

दिनांक 1.12.2020 .... पृष्ठ संख्या ...... — ...... कॉलम ...... — ......

आइडिया इन्वेस्टर मीट चार को

हिसार. चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में ऑनलाइन माध्यम से 4 दिसंबर को आइडिया इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया जाएगा। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस मीट में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह मुख्यातिथि होंगे जबकि अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने बताया कि आइडिया डेवलपमेंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनेस मीट एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले पहली एवर इनवेस्टर्स मीट है, जो इनक्युबिटीज व स्टार्ट अप्स के लिए एक मंच के रूप में काम करेगी। इस मीट का मुख्य उद्देश्य एग्री इन्वेटमेंट में निवेश करना, उद्यमशील परिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना, एग्री आधारित इनोवेशन और एबीआईसी इन्क्यूबेटस की सफलता में नये आयाम स्थापित करना है। मीट के दौरान स्टार्टअप्स, मेंटर्स, इन्वेस्टर्स, बिजनेस इनक्यूबेशन, छात्र इनोवेटर्स, उद्योगपति, इंटरप्रेन्योर्स को मिलाकर इंटरप्रेन्योर इकोसिस्टम के सभी स्टेकहोल्डर्स को लाने का प्रयास होगा। उन्होंने बताया कि इस मीट में भाग लेने के लिए स्टार्टअप्स एबिक सेंटर की ई-मेल एबिकसीसीएसएचएयू एट जीमेल डॉट कॉम पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके लिए प्रतिभागी को अपना नाम, फोन नंबर व ई-मेल की जानकारी देना अनिवार्य है, ताकि संबंधित को एबिक द्वारा इस मीट का लिंक भेजा जा सके। इस मीट में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सिटी पल्स.....

दिनांक 1..12..2020....पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....1.....

एचएयू में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट 4 को

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में ऑनलाइन माध्यम से 4 दिसंबर को आइडिया इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए एबिक सेंटर की नॉडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस मीट में कुलपति प्रो. समर सिंह मुख्यातिथि होंगे जबकि अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने बताया कि आइडिया डेवलेपमेंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनेस मीट एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले पहली एवर इनवेस्टर्स मीट है, जो इनक्युबिटीज व स्टार्टअप्स के लिए एक मंच के रूप में काम करेगी। इस मीट का मुख्य उद्देश्य एग्री इन्वेटमेंट में निवेश करना, उद्यमशील परिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना, एग्री आधारित इनोवेशन और एबीआईसी इन्क्यूबेटस की सफलता में नये आयाम स्थापित करना है। मीट के दौरान स्टार्टअप्स, मेंटर्स, इन्वेस्टर्स, बिजनेस इनक्यूबेशन, छात्र इनोवेटर्स, उद्योगपति, इंटरप्रेन्योर्स को मिलाकर इंटरप्रेन्योर इकोसिस्टम के सभी स्टेकहोल्डर्स को लाने का प्रयास होगा। इस मीट में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ......हिसार टुडे......

दिनांक ...1.12.2020... पृष्ठ संख्या ...—... कॉलम ...—...

हिसार टुडे

एचएयू स्थित एबिक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट 4 दिसंबर को

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में ऑनलाइन माध्यम से 4 दिसंबर को आइडिया इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए एबिक सेंटर की नॉडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस मीट में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह मुख्यातिथि होंगे जबकि अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक श्री राजीव महाजन अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने बताया कि आइडिया डेवलेपमेंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनेस (द्धष्ठश्व्र) मीट एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले पहली एवर इनवेस्टर्स मीट है, जो इनक्युबिटीज व स्टार्टअप्स के लिए एक मंच के रूप में काम करेगी।

डॉ. सीमा रानी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......पांच बजे......

दिनांक 2-12-2020 पृष्ठ संख्या......—...... कॉलम......—......

एचएयू स्थित एबिक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट 4 को

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में ऑनलाइन माध्यम से 4 दिसंबर को आइडिया इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए एबिक सेंटर की नॉडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस मीट में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह मुख्यातिथि होंगे जबकि अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक श्री राजीव महाजन अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने बताया कि आइडिया डेवलपमेंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनेस (ढ्ढष्ठश्व) मीट एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले पहली एवर इनवेस्टर्स मीट है, जो इनक्युबिटीज व स्टार्टअप्स के लिए एक मंच के रूप में काम करेगी। इस मीट का मुख्य उद्देश्य एग्री इन्वेटमेंट में निवेश करना, उद्यमशील परिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना, एग्री आधारित इनोवेशन और एबीआईसी इन्क्यूबेटस की सफलता में नये आयाम स्थापित करना है। मीट के दौरान स्टार्टअप्स, मेंटर्स, इन्वेस्टर्स, बिजनेस इनक्यूबेशन, छात्र इनोवेटर्स, उद्योगपति, इंटरप्रेन्योर्स को मिलाकर इंटरप्रेन्योर इकोसिस्टम के सभी स्टेकहोल्डर्स को लाने का प्रयास होगा। उन्होंने बताया कि इस मीट में भाग लेने के लिए स्टार्टअप्स एबिक सेंटर की ई-मेल एबिकसीसीएसएचएयू एट जीमेल डॉट कॉम पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके लिए प्रतिभागी को अपना नाम, फोन नंबर व ई-मेल की जानकारी देना अनिवार्य है, ताकि संबंधित को एबिक द्वारा इस मीट का लिंक भेजा जा सके। इस मीट में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....जीवन आधार....

दिनांक ..1.12.2020.. पृष्ठ संख्या ....—.... कॉलम ....—....

एचएयू स्थित एबिक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट 4 को

SHARE 0 0

देश के जाने माने इन्वेस्टर्स व नाबार्ड अधिकारी होंगे रूबरू

हिसार,

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में ऑनलाइन माध्यम से 4 दिसंबर को आइडिया इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया जाएगा। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस मीट में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह मुख्य अतिथि होंगे जबकि अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक राजीव महाजन करेंगे। उन्होंने बताया कि आइडिया डेवलेपमेंट इंक्यूबेशन एवं बिजनेस मीट एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाली पहली एकर इन्वेस्टर्स मीट है, जो इनक्यूबिटीज व स्टार्टअप्स के लिए एक मंच के रूप में काम करेगी। इस मीट का मुख्य उद्देश्य एग्री इन्वेस्टमेंट में निवेश करना, उद्यमशील परिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना, एग्री आधारित इनोवेशन और एबीआईसी इन्क्यूबेटर्स की सफलता में नये आयाम स्थापित करना है। मीट के दौरान स्टार्टअप्स, मेंटर्स, इन्वेस्टर्स, बिजनेस इनक्यूबेशन, छात्र इनोवेटर्स, उद्योगपति, इंटरप्रेन्योर्स को मिलाकर इंटरप्रेन्योर इकोसिस्टम के सभी स्टेकहोल्डर्स को लाने का प्रयास होगा। उन्होंने बताया कि इस मीट में भाग लेने के लिए स्टार्टअप्स एबिक सेंटर की ई-मेल एबिकसीसीएसएचएयू एट जीमेल डॉट कॉम (abiccahau@gmail.com) पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके लिए प्रतिभागी को अपना नाम, फोन नंबर व ई-मेल की जानकारी देना अनिवार्य है, ताकि संबंधित को एबिक द्वारा इस मीट का लिंक भेजा जा सके। इस मीट में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दीइंक........

दिनांक ..1..12..2020..पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

एचएयू के कुलपति ने कृषि विज्ञान केंद्र रोहतक व झज्जर के सामुदायिक रेडियो स्टेशनों का किया उद्घाटन

December 1, 2020

हिसार (सुमन सैनी)- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के

AGRICULTURE

4 दिसंबर को एचएयू स्थित एबिक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट

December 1, 2020

हिसार(सुमन सैनी) – चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में ऑनलाइन माध्यम से

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......हिसार टुडे......

दिनांक ....पृष्ठ संख्या...................कॉलम...............

एचएयू स्थित एबिक में स्टार्टअप्स के लिए प्रथम आइडिया इन्वेस्टर मीट 4 दिसंबर को

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में नाबार्ड के तहत स्थापित एबिक केंद्र में ऑनलाइन माध्यम से 4 दिसंबर को आइडिया इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए एबिक सेंटर की नॉडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस मीट में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह मुख्यातिथि होंगे जबकि अध्यक्षता नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक श्री राजीव महाजन अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने बताया कि आइडिया डेवलपमेंट इंकम्पासिंग एग्रीबिजनेस (द्धष्ठश्व्र) मीट एबिक द्वारा आयोजित की जाने वाले पहली एवर इनवेस्टर्स मीट है, जो इनक्युबिटी... स्टार्टअप्स के लिए एक मंच है...

डॉ. सीमा रानी

वर्ष

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.........सच कहूँ.........

दिनांक 2.12.2020 पृष्ठ संख्या....—.... कॉलम....—....

विकास — हरियाणा के युवाओं को कृषि क्षेत्र में व्यापार व प्रबंधन का मिलेगा प्रशिक्षण

गुरुग्राम में खुलेगा इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एण्ड एग्रीप्रीन्योरशिप

सच कहूँ/संजय मेहरा

गुरुग्राम। हरियाणा के युवाओं को कृषि क्षेत्र में व्यापार और प्रबंधन में प्रशिक्षण देने के लिए गुरुग्राम में 'इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एण्ड एग्रीप्रीन्योरशिप' खोला जाएगा। इस संस्थान के लिए गुरुग्राम जिला के गांव दौलताबाद में जगह चिन्हित की गई है। कृषि से जुड़े उद्योगों और व्यापार के प्रबंधन में युवाओं को प्रशिक्षित करने और उन्हें कुशल बनाने के लिए यह संस्थान खोला जा रहा है, जो गांव दौलताबाद के निकट 6 एकड़ भूमि पर विकसित होगा। यह भूमि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि

विश्वविद्यालय हिसार ने लीज पर ली है। बादशाहपुर के विधायक एवं हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन के चेयरमैन राकेश दौलताबाद ने बताया कि इस संस्थान की आधारशिला मुख्यमंत्री मनोहर लाल रखेंगे।

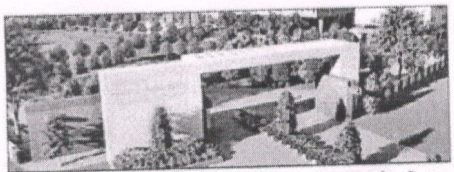

किसानों की आय बढ़ाने को उद्योगों से जोड़ेंगे

उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए उन्हें उद्योगों के साथ जोड़ा जाएगा। इसके लिए इस प्रकार के संस्थान खोलने जरूरी हैं ताकि युवा वर्ग को आज के समय की जरूरत के अनुसार कृषि से जुड़े उद्योग लगाने के लिए प्रेरित किया जा सके। आज के वैश्विक परिदृश्य को देखते हुए युवाओं को परंपरागत खेती में बदलाव करते हुए कृषि के क्षेत्र में भी नए प्रयोग करने की जरूरत है। युवा नई सोच के साथ नई किस्म की खेती करें और कृषि उत्पादों से जुड़े उद्योग धंधे खुद लगाएं। फिर इन उत्पादों का देश-विदेश में निर्यात करें। गुरुग्राम में इस संस्थान को स्थापित करने के पीछे एक कारण यह भी है कि गुरुग्राम जिला दिल्ली एनसीआर में स्थित है और अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा नजदीक होने की वजह से देश-विदेश के कृषि वैज्ञानिकों तथा विशेषज्ञों को संस्थान में विद्यार्थियों से रूबरू होने के लिए आसानी से बुलाया जा सकता है।

5 विभागों के अधीन काम करेगा संस्थान

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बिजनेस मैनेजमेंट फैकल्टी की विभाग अध्यक्ष डॉ. सुनीता महता के मुताबिक गुरुग्राम का इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एण्ड एग्रीप्रीन्योरशिप मुख्य रूप से विश्वविद्यालय के 5 विभागों के अधीन काम करेगा। इनमें एग्री-बिजनेस, बिजनेस मैनेजमेंट, रूरल मैनेजमेंट, एंटरप्रीन्योरशिप मैनेजमेंट तथा को-ऑपरेटिव मैनेजमेंट विभाग शामिल हैं। प्रत्येक विभाग के हिसाब से संस्थान में 20-20 सीटें होंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर भारती.....

दिनांक 1.12.2020....पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....1.....

गुरूग्राम में खोला जाएगा 'इस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एण्ड एग्रीप्रीन्योरशिप'

अमर भारती संवाददाता

गुरुग्राम। हरियाणा के युवाओं को कृषि क्षेत्र में व्यापार और प्रबंधन में प्रशिक्षण देने के लिए गुरूग्राम में 'इस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एण्ड एग्रीप्रीन्योरशिप' खोला जाएगा। इस संस्थान के लिए गुरूग्राम जिला के गांव दौलताबाद में जगह चिन्हित की गई है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए बादशाहपुर के विधायक एवं हरियाणा एग्रो इस्ट्रीज कॉर्पोरेशन के चेयरमैन राकेश दौलताबाद ने बताया कि कृषि से जुड़े उद्योगों और व्यापार के प्रबंधन में युवाओं को प्रशिक्षित करने और उन्हें कुशल बनाने के लिए यह संस्थान खोला जा रहा है जो गांव दौलताबाद के निकट 6 ऐकड़ भूमि पर विकसित होगा। यह भूमि चैधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार ने लीज पर ली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किसानों की आय 2022 तक दोगुनी करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवाओं को कृषि से जुड़े उद्योग धंधों के साथ जोड़ना और उन्हें प्रशिक्षित करना जरूरी है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यह संस्थान गुरूग्राम में खोला जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस संस्थान की आधारशिला हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के कर कमलों से रखवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए उन्हें उद्योगो के साथ जोड़ा जाएगा। इसके लिए इस प्रकार के संस्थान खोलने जरूरी हैं ताकि युवा वर्ग को आज के समय की जरूरत के अनुसार कृषि से जुड़े उद्योग लगाने के लिए प्रेरित किया जा सके। आज के वैश्विक परिदृश्य को देखते हुए युवाओं को परंपरागत खेती में बदलाव करते हुए कृषि के क्षेत्र में भी नए प्रयोग करने की जरूरत है। युवा नई सोच के साथ नई किस्म की खेती करें और कृषि उत्पादों से जुड़े उद्योग धंधे खुद लगाएं। फिर इन उत्पादों का देश-विदेश में निर्यात करें।

> हरियाणा एग्रो इस्ट्रीज कॉर्पोरेशन के चेयरमैन राकेश दौलताबाद ने बताया कि कृषि से जुड़े उद्योगों और व्यापार के प्रबंधन में युवाओं को प्रशिक्षित करने और उन्हें कुशल बनाने के लिए यह संस्थान खोला जा रहा है जो गांव दौलताबाद के निकट 6 ऐकड़ भूमि पर विकसित होगा

चैधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बिजनेस मैनेजमेंट फैकेल्टी की विभाग अध्यक्ष डा. सुनीता महला ने बताया कि गुरूग्राम का इस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एण्ड एग्रीप्रैन्योरशिप मुख्य रूप से विश्वविद्यालय के 5 विभागों के अधीन काम करेगा। इनमे एग्री-बिजनेस, बिजनेस मैनेजमेंट, रूरल मैनेजमेंट, एंटरप्रैन्योरशिप मैनेजमेंट तथा कॉ-ऑप्रेटिव मैनेजमेंट विभाग शामिल हैं। प्रत्येक विभाग के हिसाब से संस्थान में 20-20 सीटें होगी जिन पर विद्यार्थियों का दाखिला होगा। इस लिहाज से संस्थान में कुल 100 सीटें होंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ......पंजाब केसरी......
दिनांक 2.12.2020 पृष्ठ संख्या ....3.... कॉलम ....2-4....

'प्रदूषण लैवल पहुंचा 400 6 दिन साफ रहेगा मौसम'

■ लगातार तीसरे दिन भी नारनौल व हिसार रहे शिमला से ठंडे

हिसार, 1 दिसम्बर (ब्यूरो): हल्की बारिश के बाद जहां प्रदूषण लैवल व तापमान में गिरावट दर्ज की गई थी अब मौसम में तब्दीली के साथ ही बदलाव नजर आने लगा है। मंगलवार को फिर से प्रदूषण लैवल 400 तक पहुंच गया। हालांकि औसतन प्रदूषण लैवल 340 दर्ज किया गया। मंगलवार को पी.एम. 2.5 लैवल 236 से 401 के बीच रहा, वहीं पीएम 10 लैवल 131 से 309 रहा। हल्की बारिश होने के बाद से हवा साफ हो गई थी और प्रदूषण लैवल भी 100 से कम तक रह गया था। अब फिर से प्रदूषण में लगातार बढ़ौतरी होती जा रही है वहीं लगातार तीसरे दिन हिसार और नारनौल का रात्रि पारा शिमला से कम रहा।

हिसार में रात्रि पारा 6.7 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 3 डिग्री सैल्सियस रहा। दोपहर का पारा 27.1 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया। यह पारा सामान्य से एक डिग्री सैल्सियस ज्यादा रहा। वहीं नारनौल को रात्रि पारा 6.6 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया। शिमला का रात्रि पारा 10.3 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया। चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौसम विभाग के अनुसार 6 दिसम्बर तक मौसम आमतौर पर खुश्क रहने की संभावना है। अगले 3 दिन राज्य में उत्तर पश्चिमी हवाएं चलने से रात्रि तापमान में हल्की गिरावट, मौसम साफ तथा सुबह के समय कहीं-कहीं हल्की धुंध संभावित है। 4 दिसम्बर से 6 दिसम्बर के बीच पूर्व की हवाएं चलने की संभावना है, जिससे राज्य में आमतौर पर आंशिक बादलवाई रहने की संभावना है।

हिसार व अन्य शहरों में रात्रि पारा

शहर	रात्रि पारा
हिसार	6.7
अम्बाला	8.3
भिवानी	8.3
कुरुक्षेत्र	9.0
नारनौल	6.6
रोहतक	8.2
सिरसा	9.1

ठंडे इलाकों का रात्रि तापमान

शिमला	10.3
धर्मशाला	8.8
कसौली	11.2
मनाली	3.4.